International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925, Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 01(II), January- March, 2025, pp. 208-212

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

मधु धाकड*
डॉ. संजय कुमार केडिया**

सार

परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है जहाँ उसे प्रेम, सहानुभूति, लालन–पालन की सुविधा तथा विकास का मार्ग प्राप्त होता है। बालक का स्वभाव एक कोरी स्लेट की तरह है जैसा उस पर लिखेंगे वैसा ही अंकित हो जाएगा अर्थात् बालक को जैसे वातावरण में ढ़ाला जाता है, वह वैसा ही बन जाता है। यदि बालक अच्छे पारिवारिक वातावरण में पला–बड़ा हुआ है तो यह कहा जा सकता है कि वह योग्य और चरित्रवान है।

शब्दकोशः *उच्च माध्यमिक विद्यालय, विद्यार्थी, पारिवारिक वातावरण, मानव व्यवहार, ज्ञान व कौशल।*

प्रस्तावना

शिक्षा आदिकाल से चली आ रही मानव व्यवहार को परिमार्जित करने वाली प्रक्रिया है। शिक्षा मानव के विकास की वह प्रक्रिया है जो शैशवावस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक चलती रहती है। व्यापक अर्थ में शिक्षा सदैव चलने वाली सोद्देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान व कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है।

पेस्टालॉजी[1] के अनुसार – षशिक्षा मानव की सम्पूर्ण शक्तियों का प्राकृतिक, प्रगतिशील, और सामंजस्यपूर्ण विकास है।"

मूल्य व्यक्ति का एक विश्वास है या किसी मान्यता व विचारधारा के प्रति अभिवृत्तिक रूप है जिसे जीवन में महत्वपूर्ण मानकर व्यक्ति वैसा ही अपने व्यवहार को बनाना पसन्द करता है। मूल्य एक अमूर्त प्रत्यय है जिसका संबंध मनुष्य के भावात्मक पक्ष से होता है। मूल्य एक ओर व्यक्ति के अन्तःकरण द्वारा नियंत्रित होते हैं तो दूसरी और संस्कृति एवं परम्परा द्वारा परिपोषित होते हैं। **इंटरनेशनल एनसाइक्लोपीडिया[2] के अनुसार**– "मूल्य शब्द रुचि, आनंद, पसंद, प्राथमिकता, कर्त्तव्य, नैतिकता, आदर्श, इच्छाएँ, आवश्यक आवश्यकताएँ आकर्षण, तथा चुनने योग्य आदर्श मान्यतायें होती है।"

व्यक्तिगत मूल्य वे मूल सिद्धान्त है जिनके आधार पर कोई व्यक्ति अपना जीवन जीता है। ये मूल्य किसी व्यक्ति के विचारों, कार्यो और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। व्यक्तिगत मूल्य व्यवहार को प्रभावित करते हैं और हमारे लक्ष्यों तथा प्राथमिकताओं को निर्धारित करते हैं। व्यकितगत मूल्यों में स्वावलंबन, स्वच्छता, श्रम–प्रतिष्ठा, निर्भयता, प्राणीदया, अनुशासनप्रियता, धार्मिक विश्वास, नैतिक अभिवृत्ति, जीवन दर्शन, राजनैतिक आदर्श सम्मिलित होते हैं। व्यक्तिगत मूल्यों के अन्तर्गत निम्नलिखित 10 मूल्य सम्मिलित किए गये हैः–

* शोधकर्त्री, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।
** विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।

- धार्मिक मूल्य
- सामाजिक मूल्य
- प्रजातांत्रिक मूल्य
- सौन्दर्यात्मक मूल्य
- आर्थिक मूल्य
- ज्ञानात्मक मूल्य
- सुखवादी मूल्य
- प्रभाव मूल्य
- पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य
- स्वास्थ्य मूल्य

जूलियस हैनरी[3] (1963) – ''व्यक्तिगत मूल्य वे है जिन्हें हम अच्छा समझते है। जैसे– प्यार, दयालुता, मजाक, संतोष, शिष्टता, सरलता, ईमानदारी, सामाजिकता, परोपकार, सहयोग आदि।"

मानव जीवन के प्रारम्भ से ही परिवार का अस्तित्व है। परिवार मानव समाज का महत्वपूर्ण समूह, समिति एवं संस्था है। परिवार के प्रत्येक सदस्य की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति परिवार के माध्यम से ही होती है जो आपसी सहयोग तथा समन्वय से क्रियान्वित होती है। परिवार के वातावरण का प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभाव विद्यार्थियों पर अवश्य ही पड़ता है। सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक मूल्यों तथा गुणों को बालक परिवार में ही रहकर सीखता है। **इलियट तथा मैरिल** ने परिवार को एक जैविक सामाजिक इकाई माना है। पारिवारिक वातावरण परिवार के सदस्यों का रहन–सहन, खान–पान, रीतिरिवाज, मूल्य, आदर्श, एक–दूसरे के प्रति व्यवहार तथा उनके परस्पर अन्तःक्रिया का संगठित रूप होता है। पारिवारिक वातावरण के अनुरूप बालक सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों तथा सदाचार को अपने में ढ़ालता है।

समस्या कथन

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

संबंधित साहित्य का अध्ययन

महतो, एस.य अधिकारी, एस. और गोप, एम., सी. (2021) ने पुरुलिया जिले के उच्च शिक्षा के छात्रों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन किया। निष्कर्षो से ज्ञात हुआ कि उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों ने सुखवादी मूल्य, शक्ति मूल्य, सौन्दर्यात्मक मूल्य, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य और स्वास्थ्य मूल्य को मध्यम मूल्य व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक, सामाजिक तथा ज्ञानात्मक क्षेत्रों में अपने उच्च मूल्यों को दिखाया लेकिन उन्होंने आर्थिक तथा धार्मिक आयामों में कम स्कोर किया। **रुद्रराध्या (2019)** ने "व्यक्तिगत मूल्यों और शिक्षकों के समायोजन'' पर तुमकुर जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि तुमकुर जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों एवं शिक्षकों के समायोजन के बीच कोई सार्थक तथा महत्त्वपूर्ण–सबंध नहीं है। **यादव, संतोष कुमार (2018)** ने माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षो में पाया गया कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है। अतः पारिवारिक वातावरण तथा शैक्षिक उपलब्धि आपस में सकारात्मक रूप से संबंधित है। **मोटामेधी (2020)** ने 'ए स्टडी ऑफ द फैमिली एनवायरमेंट ऑन दी इमोशनल, सोशल एण्ड एकेडमिक अडप्टेशन ऑफ अडोलसेंट्स पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की भावात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक अनुकूलन पर परिवार की भूमिका का पता लगाना था। अध्ययन के परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि स्वस्थ परिवार संरचनाएँ, अनुकूल आर्थिक स्थितियाँ और उच्च स्तरीय पैतृक पेशे व्यवहार अनुकूलन को सुविधाजनक बनाने में सहायक होते हैं।

शोध का उद्देश्य

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है।

शोध के चर

- **स्वतंत्र चर :** पारिवारिक वातावरण
- **आश्रित चर :** व्यक्तिगत मूल्य

शोध की जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

शोध का न्यादर्श

जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 व 12 के 480 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संग्रहण हेतु निम्न प्रमापीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

- व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली– डॉ. जी.पी.शैरी तथा प्रो. आर.पी. वर्मा
- पारिवारिक वातावरण पैमाना– शालू सैनी एवं परमिन्दर कौर

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, सहसंबंध गुणांक (पियर्सन का गुणन–आघुर्ण विधि) का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण और व्याख्या

सारणी 1: उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण का प्रभाव

चर		N (संख्या)	M (मध्यमान)	r (सहसंबंध गुणांक)
व्यक्तिगत मूल्य	धार्मिक मूल्य	480	11.92	0.07
	सामाजिक मूल्य	480	12.38	0.02
	प्रजातांत्रिक मूल्य	480	13.10	0.01
	सौदर्यात्मक मूल्य	480	11.88	0.08
	आर्थिक मूल्य	480	11.61	-0.08
	ज्ञानात्मक मूल्य	480	12.93	-0.01
	सुखवादी मूल्य	480	11.68	-0.01
	प्रभाव मूल्य	480	11.09	-0.03
	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	480	11.60	-0.07
	स्वास्थ्य मूल्य	480	11.77	0.02
पारिवारिक वातावरण		480	166.80	

उपरोक्त सारणी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव को दर्शाती है। सारणी के अनुसार 480 विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.07 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है और जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी के आधार पर 480 विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 ज्ञात हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है और जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.01 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह निरूपित करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के सौंदर्यात्मक मूल्य और पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.08 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सौंदर्यात्मक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.08 है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त सारणी में 480 विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य तथा पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.01 है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्य और पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.01 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के प्रभाव मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.03 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह निरूपित करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रभाव मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.07 है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध का परिणाम एवं निष्कर्ष

- सारणी से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके पारिवारिक वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्य उनके पारिवारिक वातावरण से प्रभावित नहीं होते है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. पूर्णिमा भाटिया : नई शिक्षा, राष्ट्रीय शैक्षिक मासिक पत्रिका, जुलाई, (2009)
2. इंटरनेशनल एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 15, लंदन, मैकमिलन (1968) पृ.सं. 283
3. विनोद कुमार अर्त्रीः भारत में शिक्षा का विकास, सुमित एन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली (2005).
4. डॉ. सत्यनारायण (2007) शिक्षा तकनीकी के मूल तत्व एवं प्रबंधन, साहित्य प्रकाशन, आगरा।
5. अस्थाना विपिन (2011) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
6. मंगल,एस.के. (2009) : शिक्षा मनोविज्ञान, पी.एच.आई, लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पाण्डेय रामशुक्ल (2003) : मूल्य परक शिक्षा, विनोद पुस्तक, मंदिर, आगरा।
8. पाण्डेय, के.पी. (2015) : शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
9. आहुजा, आर. (2016) : रिसर्च मैथ्ड, न्यू दिल्ली, रावत पब्लिकेशन्स।
10. पाण्डेय चन्द्रभूषण (2007): अनुसंधान पद्धतियाँ, मधुकर प्रकाशन।
11. पाठक, पी.डी. (2016) : शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, विनोद पुस्तक मंदिर
12. शर्मा, आर. ए. (2015) : शिक्षा अनुसंधान, सूर्या पब्लिकेशन्स, मेरठ।
13. Mahato, S., Adhikari, S.Grope, M.C. (2021), ' A probe into personal values of the students of higher education of Purulia: International Journal for Research in Applied Science & Engineering Technology (IJRASET), Vol. 9, Issue 1. https://www.academia.edu/44839534/
14. Rudraradhya, R. (2019), 'Personal Values and teacher adjustment of secondary teachers of Tumkur district: A study,'. International Education & Research Journal (IERJ), Volume 5, Issue 8. https: // www.academia.edu/45324102.
15. Motamedhi, V. (2020): Family Environment on Emotional, Social and Academic adoptation of Adolescents: A study of middle school students, Journal of Education and Learning (Edu. Learn:), 14(4), 550-557

❖◆❖